CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक
आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : पवन मस्के

● वर्ष -०४ ● अंक - ११ ● बुधवार दि.०५ मार्च २०२५ ● RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ● पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ● Gmail-awazbhandara@gmail.com

सुमनोहर सेलिब्रेशन लॉन के अतिक्रमण की होगी मोजनी

भंडारा तहसीलदार एक्शन मोड में

धान्डे परिवार ने की सुमनोहर सेलिब्रेशन लॉन मोजनी की मांग

मोजनी में अतिक्रमण पाया गया तो क्या होगा लोन में होने वाले कार्यक्रमों का ?

क्या नियम के अनुसार चल रहा है सुमनोहर सेलिब्रेशन लॉन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के खोकरला गांव के शमशान भूमि और नाले की जगह पर सुमनोह सेलिब्रेशन लॉन के मालिक दीपक समर्थ के अतिक्रमण के बाद मानो भंडारा जिले में सनसनी मच गई खोकरला के ग्राम वासियों ने सुमनोहर सेलिब्रेशन लॉन के कारण गंदगी और कचरे से हो रही परेशानी और अतिक्रमण से नागरिकों को हो रही.

तकलीफ के कारण जिलाधिकारी व तहसीलदार को निवेदन दिया था यह जमीन के पूर्व मालिक धांडे परिवार ने इस अतिक्रमण को हटाने के लिए तहसीलदार को मोजनी की मांग की है.

इस विषय को गंभीरता से लेते हुए और नागरिकों को न्याय दिलाने हेतु इसकी जल्द से जल्द मोजनि की जाएगी लेकिन मोजनी के बाद क्या यह अतिक्रमण टूटेगा यह सवाल खोकरला

ग्राम वासिओं में उभर रहा है.

शासकीय जगह पर खुलेआम अतिक्रमण करना आजकल फैशन बन गया है क्योंकि संबंधित अधिकारी इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते जब तक कोई आवाज ना उठाए और अतिक्रमण पर क्या बुलडोजर चलेगा यह देखने वाली बात है क्या सुमनोहर लॉन के मालिक ने इस अतिक्रमण करने से पहले क्या संबंधित अधिकारियों से बात की थी यह एक चर्चा का विषय बना हुआ है यदि सुमनोहर सेलिब्रेशन लॉन का अतिक्रमण हटता है तो लोन में होने वाले कार्यक्रमों का क्या होगा यह सवाल उभर रहा है अगले पार्ट में देखी की क्या इस लॉन की परमिशन ली गई थी

माहे रमजान: इबादतों का शुरू हुआ दौर

आवाज भंडारा / आसी खान

रविवार 2 मार्च से मुस्लिमबंधुओं का पवित्र माह रमजान शुरू होने के साथ ही शहर के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में फिजा बदली-बदली सी दिखाई दे रही है। सहरी के साथ शुरू होने वाली चहल-पहल इफ्तार से सजे दस्तरख्वान पर खत्म होती है। सहरी के समय से ही बच्चों और बुजुर्गों में जोश व उत्साह दिखाई दे रहा है। रोजा रखने वाले रोजेदारों को अपनी दिनचर्या में खासा बदलाव करना पड़ा रहा है। रोजे की तमाम फराईजों व नियमों को पूरा करते हुए दिन की शुरूआत की जा रही है। शहर व जिले में पहले रोजे से ही रमजान के महीने में माहौल खुशनुमा व रुहानी हो गया है।भंडारा शहर समेत आसपास के अन्य इलाकों में रमजान के रोजे की मुबारकबाद का सिलसिला शुरू हो गया। ईशा की नमाज के बाद रमजान महीने की विशेष नमाज तरावीह अदा करते है. रमजान माह नेकियों की फसलें-बहार और जन्नत हासिल करने का महीना है। शायद इसीलिए खुदा की तरफ से मिले इस बेशकीमती तोहफे से कोई भी महरूम नहीं रहना चाहता है। शनिवार को चांद देखे जाने पश्चात रमजान माह का ऐलान किए जाने पर मुस्लिम बहुल क्षेत्र के इलाकों में रमजान की मुबारक बाद के बाद रोजे का सिलसिला शुरू हो गया।

सहरी की तैयारियां

अल सुबह की जाने वाली सहरी से चहल-पहल का सिलसिला शुरू हुआ। सहरी के लिए पहले से खासी तैयारियां करनी पड़ती है। ताकि रोजदार को किसी किस्म की दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। सहरी में दूध, केला, और हलके फुलके खाद्य का सेवन किया जाता है। जिसके पश्चात फजर की नमाज अदा कर दिनचर्या की शुरूआत होती है।

आमजन तक पहुंचाएं विकास योजनाएं

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान है. अगर संबंधित विकास योजनाएं जनता तक नहीं पहुंचीं तो अधिकारियों की खैर नहीं. इस आशय की चेतावनी विधायक नरेंद्र भोंडकर ने पंचायत समिति पवनी में आयोजित आमसभा में दी. वह आमसभा की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे. पवनी तहसील में विभिन्न विभागों के तहत विकास कार्यों की समीक्षा के लिए पंचायत समिति के सभागार में वार्षिक आमसभा आयोजित की गई थी.

इस मौके पर तहसील के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे. इस अवसर पर पंस सभापति विदुल नारनवरे, उपसभापति प्रमोद मेंढे, जिला परिषद सदस्य मोहन पंचभाई, सरपंच भोजराज वैद्य, समूह विकास अधिकारी दीपक गरुड़ उपस्थित थे आमसभा में भोंडकर ने विविध विभागों में रिक्तियों

की जानकारी हासिल की. विभागाध्यक्षों को योजनाएं लागू करते समय इस बात का ध्यान रखने का निर्देश दिया कि जनता को कोई नुकसान नहीं हो. विधायक ने कहा कि योजना तैयार करने और मंजूरी दिलाने के लिए वह हमेशा आम लोगों के साथ है. इस अवसर पर सभी पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, सचिव एवं प्रत्येक विभाग के अधिकारी उपस्थित थे. पुलिस निरीक्षक नीलेश ब्राह्मणे के नेतृत्व में आम सभा में पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई थी.आमजन तक पहुंचाएं विकास योजनाएं

पवनी, (सं). सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान है. अगर संबंधित विकास योजनाएं जनता तक नहीं पहुंचीं तो अधिकारियों की खैर नहीं. इस आशय की चेतावनी विधायक नरेंद्र भोंडकर ने पंचायत समिति पवनी में आयोजित आमसभा में दी. वह आमसभा की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे. पवनी तहसील में विभिन्न विभागों के तहत विकास कार्यों की समीक्षा के लिए पंचायत समिति के सभागार में वार्षिक आमसभा आयोजित की गई थी. इस मौके पर तहसील के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव और सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे. इस अवसर पर पंस सभापति विदुल नारनवरे, उपसभापति प्रमोद मेंढे, जिला परिषद सदस्य मोहन पंचभाई, सरपंच भोजराज वैद्य, समूह विकास अधिकारी दीपक गरुड़ उपस्थित थे आमसभा में भोंडकर ने विविध विभागों में रिक्तियों की जानकारी हासिल की.

विभागाध्यक्षों को योजनाएं लागू करते समय इस बात का ध्यान रखने का निर्देश दिया कि जनता को कोई नुकसान नहीं हो. विधायक ने कहा कि योजना तैयार करने और मंजूरी दिलाने के लिए वह हमेशा आम लोगों के साथ है. इस अवसर पर सभी पंचायत समितिसदस्य, सरपंच, सचिव एवं प्रत्येक विभाग के अधिकारी उपस्थित थे. पुलिस निरीक्षक नीलेश ब्राह्मणे के नेतृत्व में आम सभा में पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गई थी.

आयुध निमार्णी परीक्षा में पेपर लीक मामला, रक्षा मंत्रालय करेगा जांच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

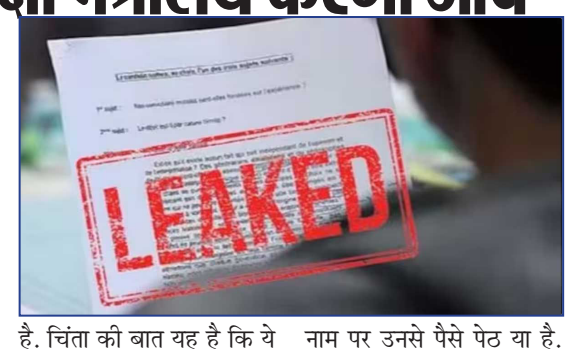

भंडारा : भंडारा आयुध निमार्णी के कर्मचारी बच्चनकुमार राजेंद्र यादव को कुछ दिन पहले बुटीबोरी पुलिस ने सात लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया था. जब पुलिस ने इस रकम की जांच की तो आयुध निमार्णी को विभागीय प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक का मामला सामने आया.

सूत्रों के अनुसार, इस परीक्षा में हुई अनियमितताओं को लेकर अब रक्षा मंत्रालय जांच करने है. हालांकि पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है, लेकिन कुछ कर्मचारी पुलिस जांच से बचने के लिए एक संगठित गिरोह की मदद ले रहे हैं. इस स्थिति में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए रक्षा मंत्रालय ने जांच शुरू करने की तैयारी की है.2023-24 के दौरान, एक परीक्षा माफिया ने कर्मचारियों से विभागीय परीक्षा में पास कराने के लिए पांच से आठ लाख रुपये लिए, पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. कुछ कर्मचारियों ने परीक्षा पास करने के लिए सोसायटी से कर्ज लिया ती कुछ ने जीपीएफ से पैसे निकाले अब उनके बैंक खातों की भी जांच हो सकती है. चिंता की बात यह है कि ये अयोग्य कर्मचारी आयुध निमार्णी जैसे संवेदनशील संस्थान में काम कर रहे हैं. ऑर्डनेस फैक्ट्री से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पहले की भर्ती परीक्षाओं में बिहार और उत्तर प्रदेश के उम्मीदवारों से पैसे लेकर उनकी नियुकि कराई गई थी. कहा जाता है कि उत्तरी राज्यों के उम्मीदवार चयन के लिए बड़ी रकम चुकाते हैं.

इस तरह की नियुक्तियां फैक्ट्री की सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है. इसके अलावा पदोन्नति के लिए भी फर्जी डिग्रियों का इस्तेमाल किया जाता है, और कई मामले अदालत में लंबित हैं गलत तरीके से नौकरी पाने वाले लोग अन्य कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए भी खदरा बन सकते हैं. नागपुर का एक गिरोह इस घोटाले में फंसे कर्मचारियों को बचाने के नाम पर उनसे पैसे पेठ या है. यह गिरोह कर्मचारियों को पुलिस जांच से बचाने का झांसा दे रहा है. ऐसे में रक्षा मंत्रालय की जांच के बाद सच्चाई सामने आने की उम्मीद है

10 उम्मीदवारों से 51 लाख वसूले

हाल ही में, आयुध निमार्णी ववि परीक्षा क पेपर लीक कर दस उम्मीदवारों से लाख रुपये वसूलने का सनसनीखेज मामला सामने आया था. इस घोटाले का मास्टरमाइंड यही सक्ति था जिसे परीक्षा आयोजित करने का ठेका दिया गया था. इस घोटाले में सरकार और अन्य उम्मीदवारों से पंखापड़ी करने के आरोप में बुटीबांरी पुलिस ने भंडारा के परीक्षा ठेकेदार ठेकेदार अशोक सेंडे और आयुध निमार्णी के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ दर्ज किया है.

54 स्कूलों के पास नहीं खेल मैदान, छात्रों के विकास पर असर

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रत्येक विद्यालय में खेल मैदान होना चाहिए. शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने वाले खेलों की उपलब्धता छात्रों के लिए अनिवार्य है. दुर्भाग्यवश, जिले के 54 स्कूलों में खेल मैदानों नहीं है. इससे छात्रों को खेलने का अवसर नहीं मिल पाता, नतीजतन उनके शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण पर प्रभाव पड़ रहा है. खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल शिविरों का आयोजन किया जाता है, लेकिन, मैदान ही न हो तो विद्यार्थी अभ्यास कहां करें? यह सवाल है.

छात्रों के खेल अवसरों पर प्रभाव स्कूलों को अनुमति देते समय खेल मैदान महत्वपूर्ण मानदंड है. स्कूल पर्याप्त जगह के बिना चलाए जा रहे हैं. इसका सीधा असर छात्रों के खेल अवसरों पर पड़ा है. स्कूल में खेल का मैदान नहीं है, इसलिए छात्रों को शारीरिक खेल खेलने के कम अवसर मिलते हैं. परिणामस्वरूप, उनकी शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है. विभिन्न खेलों के माध्यम से अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व गुण और आत्मविश्वास का विकास होता है. मैदानों की कमी के कारण इसमें बाधा आ रही है. कुछ स्कूलों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने जगह की कमी देखी जा रही है.

छात्रों के व्यक्तित्व विकास में बाधा

खेलों के माध्यम से अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व गुण और आत्मविश्वास का विकास होता है। लेकिन मैदानों की कमी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा है। कुछ स्कूलों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने तक की जगह नहीं है, जिससे छात्रों को खेलकूद में भाग लेने के सीमित अवसर मिल रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि शिक्षा विभाग और प्रशासन इस समस्या का समाधान कैसे होता है।

रेत चोरी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : 02 मार्च 2025 को अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौजा गुडेगांव क्षेत्र में दो टिप्पर जब्त किए और दो आरोपियों को हिरासत में लिया।पुलिस निरीक्षक निलेश ब्राम्हणे के नेतृत्व में पुलिस दल गश्त कर रहा था, जब उन्हें सूचना मिली कि गुडेगांव शिवार में चोरी-छिपे अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर टिप्पर क्रमांक MH 36/अअ 4358 और MH 40/BF 4358 को रोका और जांच के दौरान दोनों वाहन अवैध रूप से रेत परिवहन करते हुए पाए गए।

भंडारा जिले में अवैध रेत तस्करी जोरों पर

तुमसर में रेत डिपो के नाम पर हो रही है अवैध रेत तस्करी

तामस्वाडी घाट में पुलिस की कार्रवाई के बाद भी नहीं थमी अवैध रेत तस्करी

शिवसेना जिला अध्यक्ष संजय रेहपाडे ने जिलाधिकारी को दिया निवेदन

जिले के रेत डिपो में राजकीय वाहतुक और अधिकारी के सहयोग से अवैध रेत तस्करी का आरोप ?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के तुमसर तहसील अंतर्गत आने वाले तामस्वाडी रेती घाट के डिपो पर 26 फरवरी को पुलिस ने छापा मारा जिसमे 12 टिप्पर ओर तीन ट्रैक्टर सहित 3 करोड़ 44 लाख रुपए का माल जब्त किया गया. लेकिन इस कार्रवाई के बाद भी तामस्वाडी घाट जोरों पर चलने का आरोप शिवसेना ने लगाया है शिवसेना के जिला अध्यक्ष संजय रेहपाडे ने जिलाधिकारी के माध्यम से देवेंद्र फडणवीस को निवेदन दिया कि भंडारा जिले में वैनगंगा नदी से खुले आम रेती तस्करी चल रही है.

उन्होंने आरोप लगाया कि 26 फरवरी को तामस्वादी घाट में पुलिस पथक ने कार्रवाई की थी लेकिन इस कार्रवाई में टिप्पर और ट्रैक्टर पर ही कार्रवाई की गई थी. एक भी जेसीबी नहीं पकड़ी गई यह माल कहां से आया था उस घाट धारक पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई जीस घाट से रेती तस्करी की उस घाट से जेसीबी और पोकलेन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई .

क्या तुमसर तहसीलदार का उमरवाड़ा पनझरा तामस्वाडी घाटों पर आशीर्वाद तो नहीं जिस कारण इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद भी दो दिनों की भीतर बड़े स्तर पर घाट चल रहा है ऐसे रेट डिपो पर कार्रवाई कर उसे बंद करने की मांग शिवसेना के भंडारा जिला अध्यक्ष संजय रेहपाडे ने की है.

संपादकीय

अग्रलेख:शांतता... एआय 'चालू' आहे

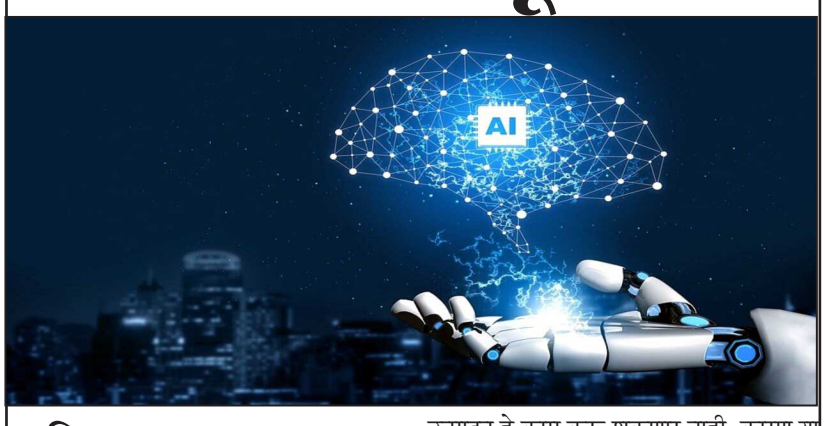

रिकामा, निर्मनुष्य ध्वनिमुद्रण स्टुडिओ तेथील वापर होत नसलेल्या उपकरणांसह दिसतो आहे. कॅमेरा त्या निश्चेष्ट उपकरणांवरून फिरतो आहे. या दृश्यांना पार्श्वसंगीत म्हणून अशा रिकाम्या स्टुडिओत ऐकू येऊ शकणारे अगदी दूरस्थ आवाज दृश्य पाहणाऱ्या-ऐकणाऱ्याला ऐकू येत आहेत. हळूहळू पडद्यावर इंग्रजी अक्षरे उमटतात, ह्यएआय (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) कंपन्यांची खुलेआम संगीतचोरी ब्रिटिश सरकारने कायदेशीर करू नये अशा अथार्ची. इज धिस व्हॉट वुई वॉण्ट नावाचा, नवाकोरा संगीत अल्बम २५ फेब्रुवारीला प्रदर्शित झाला, त्याचे हे वर्णन. तब्बल चार मिनिटे हे पाहिले-ऐकल्यानंतर हतबुद्ध व्हायला होते.

पण त्याचबरोबर नीरवाचा ध्वनी किती परिणामकारक असतो, याची मनात जाणीव रुजू लागते. कृत्रिम बुद्धिमत्तेचा अर्थात ह्यएआयह्णचा व्यापार-वापर करू इच्छिणाऱ्या कंपन्यांना आपले हात-पाय सहज पसरू दिल्याचे काय दुष्परिणाम होतील हे दाखवून, आपल्याला हे हवे आहे का, असा प्रश्न विचारणारा हा अल्बम आहे. त्या शांततेत निषेधाचा ठाम सूर आहे आणि जे दाखवले जात आहे, ते भविष्य असेल, तर मानवाची सर्जनशीलता आता अशी गंजत जाणार का, असा रोकडा सवालही आहे.

ब्रिटिश सरकारने कॉपीराइट कायद्यात अलीकडेच काही बदल प्रस्तावित करून त्यावर सल्लामसलत सुरू केली आहे. त्यामध्ये ब्रिटिश संगीतकारांची भूमिका ठाम विरोधाची आहे. बीटल्स या प्रसिद्ध संगीत चमूतील प्रसिद्ध पॉल मॅकार्टनी, दिग्गज एल्टन जॉन ते केट बुश, ॲनी लेनक्स अशा हजारभर जणांनी निषेधही सर्जनशील पद्धतीनेच करायचा ठरवून इज धिस व्हॉट वुई वॉण्ट हा विषण्णतादर्शक सवाल केला आहे. हा प्रश्न केवळ संगीतापुरता मर्यादित नाही, तर सर्वच कलांना असलेल्या ह्यएआयह्णच्या धोक्याबाबतचा आहे. त्यामुळे लेखक, चित्रकार, दृश्य कलाकार अशा सगळ्यांनीच या लढ्याला पाठिंबा दिला आहे. निषेधाचे हे वारे ब्रिटनमध्ये वाहत असले, तरी या प्रश्नाचे वादळ केवळ ब्रिटनपुरते मर्यादित राहणार नसून साऱ्या जगावर घोंघावते आहे. म्हणूनच यावर भाष्य प्रस्तुत.त्याआधी ब्रिटनमध्ये प्रस्तावित असलेल्या कॉपीराइट कायद्यातील बदलांविषयी. या प्रस्तावित बदलांमुळे एआय कंपन्यांना त्यांच्या उत्पादनांसाठी कॉपीराइट असलेल्या कलाकृती विनापरवाना वापरण्याची मुभा मिळणार आहे. एआय कंपन्या या विदेचा वापर करून त्यांच्या प्रारूपांना प्रशिक्षित करतील आणि त्यातून तयार झालेली उत्पादने वापरून कुणीही स्वतःची स्वतंत्र कलाकृती सहज तयार करू शकेल. हे होते कसे, तर एआयवर आधारित चॅटबॉट, प्रतिमा निर्माणक किंवा संगीत निर्माणकाला इंटरनेटवर उपलब्ध असलेला प्रचंड विदा उपलब्ध करून देऊन त्यातून पद्धती विकसित करण्याचे प्रशिक्षण दिले जाते. अशी प्रशिक्षित उपकरणे त्यांना मिळालेल्या आज्ञावलीनुसार शाब्दिक मजकूर, प्रतिमा किंवा संगीताची नवनिर्मिती करू शकतात. संगीताबाबत थोडक्यात सांगायचे, तर एआय कंपन्या असे एखादे एआय आधारित उत्पादन तयार करू शकतील, जे संगीतकार नसलेल्या एखाद्याला त्याची स्वतःची चाल तयार करण्यास मदत करील. ज्याला चाल करून हवी आहे, त्याने नुसती आज्ञावली द्यायची खोटी, चाल तयार!

आपल्या जवळच्या एखाद्या उदाहरणातून याची फोड करून सांगायचे, तर एखाद्याला समजा वाटले, की आपल्याला अशी एखादी चाल करायची आहे, ज्या चालीत थोडे शंकर-जयकिशन, थोडे आर. डी. बर्मन आणि थोडे ए. आर. रेहमानही हवेत, तर तशी आज्ञावली देऊन तो एआय आधारित उत्पादनाकडून ती चाल तयार करून घेऊ शकतो. आता यासाठी या एआय उत्पादनाला काय लागेल, तर या तिन्ही संगीतकारांच्या सर्व मूळ कामांचा विदा. तो असल्याशिवाय एआय उत्पादन हे काम करू शकणार नाही, कारण या संगीतकारांच्या चालीतल्या पद्धतीतील बारकावे त्याला माहीत नसतील. आता हा विदा, म्हणजेच या संगीतकारांचे हे मूळ काम एआय आधारित उत्पादनासाठी वापरायचे, तर त्याची रीतसर परवानगी हवी, कारण ते कॉपीराइट कायद्याने सुरक्षित आहे ह्व अर्थात, आपल्याकडे होत असलेली सर्रास कॉपीराइट उल्लंघने पाहता, ही कामे खरोखरच सुरक्षित आहेत का, असा प्रश्न पडावा, पण तांत्रिकदृष्ट्या ती सुरक्षित आहेत, असे गृहीत धरू. ब्रिटिश कायद्यातील प्रस्तावित बदल हेच सुरक्षा कवच काढून टाकेल आणि एआय कंपन्यांना संगीतकारांचे काम विनापरवाना उचलण्याची मुभा देईल. ब्रिटिश संगीतकारांचा विरोध आहे तो याला. अर्थात, एआय कंपनीने इंटरनेट जाळ्यातून कुणा संगीतकाराच्या एखाद्या कामाचा विदा म्हणून वापर करण्याचे ठरवले, तर ते काम घेऊ नका, असे सांगण्याची मुभा हा कायदा देतो. पण संगीतकारांचे म्हणणे आहे की, एआय कंपन्या इंटरनेट जाळ्यातून खोऱ्याने विदा उचलू लागल्यावर कुठे आणि किती ठिकाणी लक्ष ठेवून नकाराचा अधिकार वापरायचा? मूळ कलाकृती ज्यांनी निर्मिली किंवा जे नवीन कलाकार नवीन काही निर्माण करू इच्छितात, त्यांच्यावर हा अन्यायच, असे या ब्रिटिश संगीतकारांचे म्हणणे. यावर ह्यएआय क्षेत्रात आपला देश मागे नकोह्ण असे ठरवलेल्या सरकारचे म्हणणे असे की, एआय आणि संगीत क्षेत्रातील मंडळींनी एकत्रित काम करावे. मात्र हे वाटते तितके सहज-सोपे नाही. एआय कंपन्यांनी विविध प्रकारचे कलात्मक काम विनापरवाना वापरल्यावरून अमेरिकेतसध्या अनेक खटले सुरू आहेत आणि या एआय कंपन्यांवर कॉपीराइट उल्लंघनाचे कोट्यवधी डॉलरचे दावेही ठोकण्यात आले आहेत. मध्यंतरी हॉलीवूडमधील लेखकांनी याच कारणावरून संप पुकारला होता. चित्रपट, मालिकांच्या संहिता ह्यएआयह्णच्या साह्याने तयार करण्याला किंवा त्याचा आधार घेण्याला त्यांचा विरोध होता.

हे झाले ब्रिटन, अमेरिकेतले, पण भारतातही हेच व्हायला सुरुवात झाली आहे. कुठलेसे ह्यमैनू विदा करोह्ण हे गाणे मोहम्मद रफीपासून जगजीत सिंग, ए. आर. रहमान आदी कसे सादर करतील याचे व्हिडीओ गेल्या वर्षी आले, त्यातून एआयने हिंदी चित्रपटगीतांचा किती ह्यविदाह्ण- डेटा- फस्त केला याची कल्पना येते. शाळा-महाविद्यालयांतील विद्यार्थी आपले गृहपाठ सर्रास चॅटबॉटच्या साह्याने करू लागले आहेत. कल्पनेचा एखादा बिंदू सांगा, पुढील कथानक किंवा त्याचे विविध पर्याय आम्ही एआय आधारित उत्पादनांकडून करून घेतो, असे चित्रपट-मालिकांचे निमार्ते लेखकांना म्हणू लागले आहेत. हे सगळे होत आहे, म्हणूनच ह्यएआयह्णचा नैतिक वापर, त्यासाठी बंधने, निकष, कायदे याबद्दल जागतिक पातळीवर विविध परिषदांमधून चर्चा झडते आहे.

पण मुद्दा एआय हवे की नको हा उरलेलाच नाही. तो फक्त, एआय किती आणि कुठे हवे इतकाच आहे. काही आशयनिर्मिती कंपन्या, वृत्त संकेतस्थळे आदींनी एआय कंपन्यांशी केलेले करार याच सहअस्तित्वाच्या दिशेकडे जाणारे पाऊल. भान ठेवायला हवे, ते एकाच गोष्टीचे, ते म्हणजे जी कामे करणे मानवाला नकोसे वाटते, ज्यात पुनरावृत्ती आहे किंवा जी मानवाने करणेच मुळात अपेक्षित नाही, त्यासाठी एआय आहे. ही कामे सोडून एआय मानवाच्या सर्जनशीलतेची जागा घेऊ पाहील, तर त्याला विरोध होत राहील, राहायला हवा. ब्रिटनमध्ये आत्ता झालेला विरोध ह्यनीरवह्ण असला, तरी त्याबद्दल बोलले जायला हवे, कारण आताशा एरवी कर्कशतेत जगणा-या माणसाला तो ह्यशांतता एआय चालू आहे, असे सांगतो आहे. हे नीट ह्यऐकल नाही, तर एआय आधारित उपकरणाला आज्ञावली देऊन सर्जनशीलता मुकी करण्याचे प्रसंग येथून पुढे घडतच राहतील.

समृद्धी महामार्ग वादात ! मुख्यमंत्र्यांशी भेट न झाल्याची शेतकऱ्यांनी व्यक्त केली खंत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : भंडारा जिल्ह्यातून गडचिरोली जिल्ह्यात जाणाऱ्या समृद्धी महामार्गाच्या बांधकामाला लाखांदूर तालुक्यातील शेतकऱ्यांनी विरोध केला आहे. समस्या जाणून घेण्यासाठी मुख्यमंत्र्यांनी भेटीची वेळ द्यावी, अशी लेखी मागणी केली होती. या मागणीची मुख्यमंत्र्यांनी दखल न घेतल्याने शेतकऱ्यांनी लाखांदूर तालुक्यातील कऱ्हांडला येथे २ मार्चपासून आमरण उपोषणाला सुरुवात केली आहे. भंडारा जिल्ह्याच्या लाखांदूर तालुक्यातून समृद्धी महामागार्चे बांधकाम करण्यासाठी मागार्तील शेतकऱ्यांशी कोणतीच वाटाघाटी न करता जमीन हस्तांतरित करण्याचा प्रयत्न प्रशासनाने सुरू केले आहे. यासंदर्भात अनेकवेळा शेतकऱ्यांनी विरोध दर्शवून प्रथम शेतीचे दर तसेच अन्य मागण्यांसंदर्भात चर्चा करावी ही मागणी केली.

निवेदनाची दखल नाही

जिल्हा प्रशासनाने याकडे दुर्लक्ष केल्याने फेब्रुवारी महिन्यात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस यांनी भेटीची वेळ देऊन शेतकऱ्यांच्या समस्या जाणून घ्याव्यात, यासाठी लाखांदूर तहसीलदारामार्फत निवेदन देण्यात आले होते. मात्र त्या

निवेदनाची मुख्यमंत्र्यांनी कोणतीच दखल न घेतल्याने समृद्धी महामागार्तील पीडित शेतकरी विनोद ढोरे यांच्या नेतृत्वात प्रभू मेंढे, जयपाल भांडारकर, व्यंकट बेडेकर, जनार्दन भांडारकर, शिशुपाल भांडारकर, शीतल भांडारकर यांनी आमरण उपोषणाला सुरुवात केली

अशा आहेत प्रमुख मागण्या

समृद्धी महामार्गात गेलेल्या शेतजमिनीला प्रतिएकर १ कोटी ३० लाख रुपये भाव मिळावा, अशी या शेतकऱ्यांची मुख्य मागणी आहे. जिल्ह्यातील तीन तालुक्यातील १३२१ शेतकरीही याच मागणीवर ठाम असल्याचे सांगण्यात येतेय. महामार्गात शेतजमिन गेलेल्या मालकांच्या कुटुंबातील एका व्यक्तीला शासकीय नोकरीत समाविष्ट करावे. समृद्धी महामार्गात गेलेल्या शेतजमिनीच्या मालकांना प्रति महिना ३० हजार रुपये पेन्शन मिळावी.

जमीन हस्तांतरित करण्यासाठी कार्यवाही सुरू

लाखांदूर तालुक्यातून भंडारा ते गडचिरोली शीघ्रसंचार द्रुतगती महामार्ग जात असून संबंधित विभागाच्या वतीने जमीन हस्तांतरित करण्यासाठी कार्यवाही सुरू केली. मात्र, सदर रस्त्यासाठी शेतकऱ्यांची जमीन अधिग्रहित करण्यापूर्वी शेतजमिनीचे किंमत किती मिळणार हे अद्यापही शेतकऱ्यांना कळविण्यात आले नसल्याचे १६ जानेवारीच्या निवेदनात शेतकऱ्यांनी म्हटले होते. याशिवाय शासनाने बळजबरीने शेतीची मोजणी करणे सुरू केल्याचा आरोप शेतकऱ्यांनी केला होता.

अशी आहेत तीन तालुक्यातील गावे

भंडारा तालुक्यातील गावे : गराडा बू., बासोरा, बोरगाव बु., चोवा, उसरीपार, श्रीनगर, वाकेश्वर, पहेला, चिखलपहेला, गोलेवाडी.

पवनी तालुक्यातील गावेः २ पन्नाशी, मिन्सी, तिरीं, खैरीतिरी, तांबेखनी, भीवखिडकी, तेलपेंढरी, कातुर्ली, पिलांद्री, खांबाडी.

लाखांदूर तालुक्यातील गावे : ३ पालेपंढरी, घोडेझरी, पाचगाव, बेलाटी, मासळ, खैरीघर, घरतोडा, सरांडी बू., राजनी, कन्हांडला, डोकेसरांडी, किरमटी, रोहनी, खैरणा, व मोहरणा.

तीन तालुक्यातील ३५ गावांचा समावेश

भंडाराहून गडचिरोली जिल्ह्यात जाणाऱ्या शीघ्रसंचार द्रुतगती महामार्गात भंडारा जिल्ह्यातील तीन तालुक्यातील ३५गावांचा समावेश आहे. यात भंडारा व पवनी तालुक्यातील प्रत्येकी दहा तर लाखांदूर तालुक्यातील १५ गावांचा समावेश आहे.

१३२१ शेतकऱ्यांची जमीन द्रुतगती महामार्गात गेली आहे.

राजनी येथील शेतकऱ्यांनी पुकारलेल्या उपोषणाला दोन दिवस लोटले आहेत. याची कुणीही दखल घेतलेली नाही. परिणामी आंदोलन चिघळण्याची शक्यता आहे.

स्विमिंग पूल तात्काळ सुरू करा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्हा क्रीडा संकुल येथील स्विमिंग पूल अनेक वर्ष पासून बंद आहे, मागीलवर्षी फक्त तीन महिन्या करिता सुरु करण्यात आले होते. स्विमिंग पूलचे पाणी दूषित असल्यामुळे नंतर बंद करण्यात आले. कोरोना काळानंतर फक्त तीन महिने स्विमिंग पूल चालू करण्यात आले होते. लाखोचा निधी खर्च करून सुध्दा स्विमिंग पूल बंद अवस्थेत आहे. त्यामुळे खेळाडू व विद्यार्थ्यांचे नुकसान होत आहे. अनेक खेळाडू राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय स्पर्धेपासून वंचित असल्यामुळे त्यांचे नुकसान होत आहे. स्विमिंगची आवड असणारे नागरिक सुध्दा या प्रतीक्षेत आहेत. स्विमिंग पूल बंद असल्यामुळेत्याचे परिणाम क्रीडा क्षेत्रावर होत असून नवीन खेळाडूंना संधी मिळत नाही.

एका नारळामागे दहा रुपयांनी वाढ ! पुरवठा कमी असल्याने दर वाढले

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : उन्हाळ्याची चाहूल लागली की, थंड पेयासोबतच नारळपाण्यालाही मागणी वाढते. त्यामुळे आपोआपच नारळाचे भाव वाढतात. नारळपाणी आरोग्यासाठी लाभदायक आहे. त्यामुळे आता एका नारळामागे १० रुपयांची वाढ झाल्याचे विक्रेत्यांनी सांगितले. लग्न समारंभ आणि धार्मिक कार्यक्रमांमुळे मागणीत वाढ

उन्हाळ्यात लग्न समारंभ, धार्मिक कार्यक्रम मोठ्या प्रमाणात असतात. त्यामुळे या कार्यक्रमांत हजेरी लावणाऱ्यांचा घसा कोरडा पडतो. परिणामी, अनेकजण थंड पेयाबरोबरच नारळपाणी घेण्यावर भर देतात. त्यामुळे नारळपाण्याच्या किमतीमध्ये वाढ होत असते.

पुरवठा कमी असल्याने दर वाढले

उन्हाळ्याची चाहूल लागताच नारळाचा पुरवठा आपोआपच कमी होत जातो. परिणामी, मागणी अधिक होऊन बाजारपेठेत त्याचे दरही वाढत जातात.

धार्मिक कायार्चा परिणाम

फेब्रुवारी महिना संपल्यानंतर उन्हाचा कडाका जाणवायला सुरुवात होते. यादरम्यान, धार्मिक कार्यक्रम आणि लग्न समारंभही मोठ्या संख्येने असतात. त्याचाही परिणाम या नारळावर होत असतो.

उन्हाळ्याची चाहूल लागताच नाराळपाण्याला अधिक मागणी वाढते. परिणामी, नारळाचा पुरवठा कमी होतो. त्यामुळे बाजारात नारळाच्या किमती वाढतात. आता एका नारळामागे १० रुपयांची वाढ झाली आहे. एप्रिल महिन्यात हे भाव आणखी वाढतील.

- अनिल चरडे, नारळ विक्रेते

आरोग्य केंद्रात एकाच पदावर दोन कर्मचारी कशे?

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सानगडी : जिल्हा परिषद भंडारा अंतर्गत ३३ प्राथमिक आरोग्य केंद्र आहेत. प्रत्येक प्राथमिक आरोग्य केंद्रात स्वछता कामगार नियमित पदावर कार्यरत असताना दोन महिन्यापूर्वी बी. एस. ए. कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पुणे संस्थेमार्फत नव्याने ३३ स्वछता कामगारांची नियुक्ती करण्यात आली आहे. प्राथमिक आरोग्य केंद्रात स्वच्छता कामगार भरतीत अनियमितता झाल्याचा आरोप होत आहे.

प्राथमिक आरोग्य केंद्रात स्वछता कामगार नियुक्त असतानासुद्धा अतिरिक्त स्वछता कामगारांची नियुक्ती केली आहे. एका आरोग्य केंद्रात एकाच पदावर दोन स्वच्छता कामगार कार्यरत असल्याने शासनाच्या तिजोरीवर ज्यादा आर्थिक भार पडत आहे. सहसंचालक आरोग्य सेवा, मुंबई यांच्या पत्रान्वये या अतिरिक्त भरतीची दाखल घेण्याची गरज निर्माण झाली आहे.

नियोजन करण्याची गरज

जिल्हा परिषद भंडारा आरोग्य विभाग यांनी योग्य नियोजन करून एका प्राथमिक आरोग्य केंद्रात एकच स्वछता कर्मचारी नियुक्त करावा. ३३ स्वछता कामगार नियमित कर्तव्य बजावत आहेत, परंतु नव्याने ३३ स्वछता कामगारांची नियुक्ती झाल्याने कर्मचा[illegible]यांची संख्या दुप्पट झाली. अतिरिक्त स्वच्छता कामगार भरतीवर योग्य नियोजन करणे आवश्यक आहे.

पालक सचिवांची बेला ग्रामपंचायतला भेट

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : 28 फेब्रुवारी 2025: उमेद - महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नती अभियान अंतर्गत दारिद्र्य रेषेखालील कुटुंबांच्या आर्थिक उन्नतीसाठी आणि ग्रामीण उद्योजकांना बाजारपेठ उपलब्ध करून देण्यासाठी जिल्हास्तरीय मिनी सरस विक्री व प्रदर्शनी महोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले आहे.

३ मार्च ते ७ मार्च २०२५ या कालावधीत दसरा मैदान, शास्त्री चौक, वरठी रोड, भंडारा येथे हा विशेष महोत्सव पार पडणार आहे. स्वयं सहायता गटांच्या महिलांनी तयार केलेल्या दजेर्दार आणि वैविध्यपूर्ण उत्पादनांची येथे प्रदर्शनी व विक्री केली जाणार आहे.

हा उपक्रम ग्रामीण भागातील महिला उद्योजकांना मोठ्या बाजारपेठेशी जोडण्यास मदत करेल. या महोत्सवात हस्तकला उत्पादने, कृषी-आधारित पदार्थ, पारंपरिक खाद्यपदार्थ, घरगुती वस्तू, कपडे, आणि अनेक नाविन्यपूर्ण उत्पादने उपलब्ध असतील.

विशेष आकर्षणः

ग्रामीण भागातील उत्कृष्ट हस्तकला व स्थानिक उत्पादने. दजेर्दार आणि परवडणा-या दरात खरेदीची संधी. महिला उद्योजकांचे प्रोत्साहन व सशक्तीकरण

नागरिकांनी या महोत्सवाला भेट देऊन ग्रामीण महिला उद्योजकांना प्रोत्साहन द्यावे, अशी विनंती प्रकल्प संचालक जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणा विवेक बोंद्रे यांनी केली आहे.

४० हजारांची लाच घेताना जि.प. उपअभियंत्याला अटक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जलशुद्धीकरण केंद्रातील दोन कामांचे बिल काढण्यासाठी ५ टक्के कमिशनची मागणी करणाऱ्या व त्यासाठी ४० हजार रुपयांची लाच स्वीकारणाऱ्या प्रभारी उपअभियंत्याला शुक्रवारी लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाच्या (एसीबी) पथकाने अटक केली. सुहास पांडुरंग कुरंजेकर (५१ वर्षे) असे या वर्ग दोनच्या प्रभारी उपअभियंत्याचे नाव असून तो जिल्हा परिषदेच्या जलसंपदा यांत्रिकी विभागात कार्यरत आहे.

एसीबीच्या सूत्रांनी दिलेल्या माहितीनुसार, ३७ वर्षीय कंत्राटदाराने चिखली आणि लेंडेझरी या दोन गावांतील जलशुद्धीकरण संदभार्तील कामे पूर्ण केली आहेत. या कामाचे ९ लाख ८० हजार रुपयांचे बिल त्यांनी विभागाकडे सादर केले. ते मंजूर होण्यासाठी आवश्यक असलेली कागदपत्रे, दोन्ही ग्रामपंचायतीचे प्रमाणपत्र, वर्क ऑर्डर, कामाचे फोटोग्राफ आदी कुरंजेकर याच्याकडे सादर केले. या संदर्भात कंत्राटदाराने १७फेब्रुवारीला त्याची भेट घेऊन बिलाबाबत विचारणा केली. मात्र या कामाच्या बिलावर सही करून बिल मंजूर करण्यासाठी एकूण रकमेच्या ५ टक्के कमिशनची अर्थात ४९ हजार रुपयांची मागणी केली.

कमिशनच्या नावाखाली लाचेची रक्कम देण्याची इच्छा नसल्याने संबंधित कंत्राटदाराने २५ फेब्रुवारीला लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाकडे तक्रार नोंदविली. या संदर्भात पंचासमक्ष पडताळणी केली असता उपअभियंता कुरंजेकर याने तडजोड करून ४० हजार रुपयांची मागणी पंचासमक्ष केल्याचे तपासात पुढे आले. यावरून सापळा रचून शुक्रवारी ही रक्कम देण्याचे ठरले. नियोजनानुसार, सुहास कुरंजेकर याने पंचासमक्ष कंत्राटदाराकडून ४० हजार रुपयांची रक्कम स्वीकारली. यादरम्यान त्याला अटक करण्यात आली. भंडारा पोलिसात सायंकाळी उशिरा गुन्हा दाखल करण्यात आला. सक्षम अधिकारी या नात्याने जलसंपदा विभागाचे मंत्रालयातील सचिवांनाही हा प्रकार कळविण्यात आला आहे. पोलिस अधीक्षक दिगंबर प्रधान, अपर पोलिस अधीक्षक सचिन कदम, संजय पुरंदरे यांच्या मार्गदर्शनाखाली भंडाऱ्याचे पोलिस उपअधीक्षक डॉ. अरुणकुमार लोहार यांनी भडारा पथकासह ही कारवाई केली.

घराची झडती...

या कारवाईनंतर पथकाने उपअभियंत्याच्या घराचीही झडती सायंकाळी सुरू केली. वृत्त येईपर्यंत ही तपासणी सुरूच होती. अधिक चौकशीसाठी त्याचा मोबाइलही ताब्यात घेण्यात आला आहे.

मुलाने ठेवले आईला अवयवरुपी जिवंत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : लहानशा अपघाताने गंभीर जखमी झालेल्या आईचा एम्स हॉस्पिटल नागपूरमध्ये उपचार सुरू असताना अचानक आईचे 'ब्रेन डेड' झाले. कुटुंबावर शोककळा पसरली. त्या दुःखातही मुलगा सोपान रामेश्वर निखाडे आपल्या आईला अवयवरुपी जिवंत ठेवण्याचा निर्णय घेतला. त्यांच्या या मानवतावादी निर्णयाने दोन्ही किडनी, यकृत व नेत्रदान केले. यामुळे तीन रुग्णांना नवे जीवन मिळाले. भंडारा जिल्ह्यातील लाखनी तालुक्यातील खैरी/पिंपळगाव येथील रहिवासी गोपिका रामेश्वर निखाडे (६८) ह्या

अवयवदात्या महिलाचे नाव आहे. माहितीनुसार गोपिका निखाडे नातवाबरोबर मुलींच्या गावी जात असताना अचानक अपघात झाल्याने लगेच दि. २७ फेब्रुवारी गुरुवार रोजी गोपिकाला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था (एम्स) नागपूर येथे दाखल केले.त्यांची वैद्यकीय चाचणी केली असता 'ब्रेन डेड' म्हणजे मेंदूत रक्तस्त्राव झाल्याचे दिसून आले.

जिल्ह्यातील वन्यजीव कॉरिडॉरसाठी निधीची वानवा; दोन महिन्यात सहा वाघ व एका बिबट्याचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्याला निसर्गाने मुक्त हस्ताने साधन संपत्तीची उधळण केली आहे. जिल्ह्याच्या एकूण क्षेत्रफळापैकी जंगलांचे प्रमाणही भरपूर आहे. त्या दृष्टीने वन्यप्राण्यांची व जंगलांची संख्याही उत्तम आहे; परंतु मानव व वन्यजीव यांच्यातील संघर्ष टाळण्यासाठी आवश्यक असलेल्या वन्यजीव कॉरिडॉर निर्मितीला 'खो' दिला जात आहे. निधीची वानवा हेच यामागील प्रमुख अडचण आहे. ३ मार्च हा दिवस सर्वत्र जागतिक वन्यजीव दिवस साजरा केला जात असतो.

दोन महिन्यात सहा वाघ व एका बिबट्याचा मृत्यू

कोका कन्हांडला अभयारण्य, नागझिरा अभयारण्यातील ४० टक्के हा जिल्ह्यात येतो. तुमसर व लाखांदूर, पवनी तालुक्यांत जंगल क्षेत्रासह वन्यप्राण्यांची संख्या मोठी आहे. प्राणी, पक्षी, कीटक, वृक्ष यांची विविधता वस्तूतः थक्क करणारी आहे. निसगार्ची, पशुपक्ष्यांसह जंगलातील वनसंपदेची कत्तल होत आहे. वन्यप्राण्यांची व इतर घटकांची शिकार, चोरटा व्यापार यांचे प्रमाण वाढू लागले आहे. जिल्ह्यात गत दोन महिन्यात सहा वाघ आणि एका बिबट्याचा मृत्यू झाला आहे. यात मृत पावलेल्या वाघापैकी दोन ते अडीच महिन्यांच्या दोन छावकांचा समावेश होता. कुण्या घटनेने असो की शिकार, वन्यप्राण्यांचा जीव वाचविणे अत्यंत आवश्यक आहे.

इच्छाशक्तींचा अभाव

जागतिक वन्यजीव दिन हा केवळ एक दिवसाचा उत्सव नाही. ग्रीन हेरिटेज पर्यावरण संस्थेने पर्यावरण बचावासाठी अनेकदा शासनाला निवेदने दिली. निधीची तरतूद होणे अपेक्षित होते. राजकीय इच्छाशक्तींचा अभाव व निधीअभावी हरित व व्याघ्र कॉरिडॉरचा प्रस्ताव धूळखात आहे.

धोका असलेल्या वन्य सृष्टीला वाचविणे गरजेचे

याबाबत जाणीव जागृती करण्यासाठी संयुक्त राष्ट्र संघ (युनोने) वन्यजीव दिवस साजरा करण्याचे ठरविले. धोका असलेल्या वन्य सृष्टीला, आंतरराष्ट्रीय व्यापारावर बंधन आणणारा कायदा ३ मार्च १९७३ रोजी १८० देशांनी मान्य केला. म्हणून ३ मार्च या दिवसाला अनन्यसाधारण महत्त्व आहे.

वाढते शहरीकरण ही बाब जंगलतोड, शेतीसाठी जमिनीचे रूपांतरण, अधिवास नष्ट होण्यास महत्त्वाचे योगदान देतात. निसर्गाकडे लक्ष देत जल, जंगल, जमीन, जनावरे, पक्षी व अन्य जीवांचे संरक्षण करण्यासाठी जमिनीवर सक्रियपणे काम करणाऱ्या संस्थांना आर्थिक हातभार लावणे आज अत्यंत आवश्यक आहे.

वन्यजीव व मानव यांच्यातील संघर्ष न होण्यासाठी सरकार प्रयत्न करीत असल्याचे सांगते. मात्र, त्याच्या अंमलबजावणी -साठी निधीची गरज आहे. भंडारा जिल्ह्यात व्याघ्र कॉरिडॉरसह हरित क्षेत्राला संरक्षित करण्यात दृष्टीने मोठ्या प्रमाणात निधीची गरज आहे. शासनाला यासाठी वेळोवेळी निवेदने देण्यात आली; परंतु वन्यजीव कॉरिडॉरचा प्रस्ताव आजही अधांतरी आहे. याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे.

- मो. सईद शेख, संस्थापक, ग्रीन हेरिटेज पर्यावरण संस्था, भंडारा

सावरला शेतशिवारात वाघाचे दर्शन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सावरला : पवनी तालुक्यातील सावरला हा परिसर जंगलाने व्याप्त असून अनेक हिस्त्र प्राणी वास्तव्य करतात. आजपर्यंत वाघ हा जंगलात आढळणारा प्राणी म्हणून ओळखला जात होता परंतु हाच वाघ सावरला येते घरापर्यंत व शेतात येऊन पोहोचला आहे, त्यामुळे गावकरी व शेतकऱ्यांमध्ये अत्यंत भीतीचे वातावरण निर्माण झाले असून लोकांनी शेतामध्ये जाऊ नये का?

दि. २ मार्च ला शेतकरी गावा शेजारच्या शेतात दुपारच्या वेळेस काम करत होते. प्रथमतः हा वाघ धनंजय मारुती भाजीपाले या शेतकऱ्यांना दिसला. त्यांनी आरडाओरड केली असता समोर निघून गेला. समोरच्या शेतामध्ये नलु शारंगधर काटेखाये ही महिला गहू काढणीचे काम असताना वाघ तिच्यासमोर येऊन उभा राहिला. त्यावेळी काय करावे हे तिला सूचेना परंतु नशीब बलवंत, देव तारी त्याला कोण मारी या म्हणीचा प्रत्यय यावेळी आला अचानक तिने शेजारी पडलेली काठी घेऊनती वाघासमोर उभी राहिली तेव्हा वाघ मागे वळला, लगेच तिने आरडाओरड केली असता त्या समोरील शेतातील कामकरत असलेले शेतकरीधावून आलेवघाघ समोर पळून गेला.

समोरच्या शेतामध्ये काम करत असलेली सतीबावणेही महिलावाघाचा भक्ष बनणारच होती तेवढ्यात त्या ठिकाणी एका व्यक्तीने आवाज दिला त्यामुळे वाघाने तिच्यावर हल्ला न करता वाघ पळून गेला अशा प्रकारचे भीतीदायक परिस्थिती गावाशेजारील शेतांमध्ये बघायला मिळाली त्यामुळे शेतावर जायचे कसे, शेतामध्ये असलेला कडधान्य काढणीला आले आहे ते काढायचे कसे हा मोठा प्रश्न शेतकऱ्यांसह उभा टाकला आहे.

जे. एम. पटेल महाविद्यालयात पोस्टर स्पर्धा आणि व्याख्यानाचे आयोजन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भारतीय राज्यघटनेची मूलभूत तत्त्वे, मूल्ये तसेच नागरिकांचे हक्क आणि कर्तव्य याविषयी जनजागृती करण्याच्या उद्देशाने संविधान गौरव महोत्सव 2025 निमित्त प्राचार्य डॉ. विकास ढोमणे यांच्या मार्गदर्शनाखाली जे. एम. पटेल महाविद्यालयात पोस्टर स्पर्धा आणि व्याख्यानाचे आयोजन करण्यात आले.

'भारतीय संविधानः विविधतेत एकता' या विषयावर आयोजित पोस्टर स्पर्धेत महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांनी उत्साहाने सहभाग घेतला आणि पोस्टर च्या माध्यमातून संविधानातील मूलभूत तत्त्वांचे सर्जनशील सादरीकरण केले.

तसेच, या कार्यक्रमांतर्गत डॉ. राजेंद्रप्रसाद पटले, राज्यशास्त्र विभाग प्रमुख, कला व वाणिज्य महाविद्यालय, पेट्रोल पंप, जवाहर नगर यांनी 'भारतीय संविधान' या विषयावर व्याख्यान दिले. त्यांनी भारतीय संविधानाच्या सार्वभौम, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष व लोकशाही गणराज्याच्या स्थापनेविषयी माहिती देऊन, संविधानाने प्रत्येक नागरिकाला दिलेल्या मतदानाच्या मूलभूत अधिकाराचे महत्त्व विशद केले. कार्यक्रमाच्या अध्यक्षस्थानी अंतर्गत गुणवत्ता हमी कक्षाचे समन्वयक डॉ. कार्तिक पनिकर होते. त्यांनी आपल्या संविधानाचे महत्त्व अधोरेखित करताना सांगितले की, भारतीय संविधानाने स्वातंत्र्यानंतर संपूर्ण देशाला एकसंघ बांधण्याचे कार्य केले आहे. त्यामुळेच आज 75 वर्षांनंतरही आपले संविधान सशक्तपणे टिकून आहे.

कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक संविधान गौरव महोत्सवाचे समन्वयक प्रा. अमोल सातपुते यांनी केले. सूत्रसंचालन डॉ. शिरीष नखाते यांनी तर आभार प्रदर्शन प्रा. सुनील शेंडे यांनी केले.

कार्यक्रमाच्या यशस्वी आयोजनासाठी डॉ. ममता राऊत, डॉ. अपर्णा यादव, डॉ. अजय घाटोळे, प्रा. भोजराज श्रीरामे, प्रा. सुनील शेंडे, डॉ. प्रतिभा पालीवाल, संजय भुरे तसेच विद्यार्थ्यांचे मोलाचे सहकार्य लाभले.

गर्भवतीचा रुग्णालयाच्या वाटेवरच दुदैर्वी मृत्यू ; रुग्णालयाने परत पाठविले अन झाला गर्भासह मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर येथील उपजिल्हा रुग्णालयात प्रसूतीसाठी आल्यावर दोन दिवस उपचार घेतले. त्यानंतर डिस्चार्ज देण्यात आला. मात्र दुसऱ्या दिवशी (२३ फेब्रुवारी) प्रचंड वेदना सुरू झाल्याने पुन्हा त्याच रुग्णालयात आणत असताना वाटेवरच रात्री ११ वाजता महिलेचा मृत्यू झाल्याची गंभीर घटना घडली.

सुनीता सयाम (२४) असे मृत महिलेचे नाव असून ती आष्टी (ता. तुमसर) येथील रहिवासी आहे. मिळालेल्या माहितीनुसार, ९ महिने पूर्ण झाल्यानंतर, कुटुंबियांनी तिला २० फेब्रुवारीला तुमसर उपजिल्हा रुग्णालयात उपचारासाठी दाखल केले होते. मात्र दोन दिवसांनंतर तिला सुटी देण्यात आली. २३ तारखेला गावाला गेल्यावर पुन्हा महिलेला प्रचंड त्रास सुरू झाला.

त्यामुळे सायंकाळी तिला कुटुंबियांनी आधी नाकाडोंगरी येथील प्राथमिक आरोग्य केंद्रात नेले. तिथे डॉ. पल्लवी घडीले यांनी तपासल्यावर महिलेची प्रकृती गंभीर असल्याचे लक्षात आल्याने तातडीने तुमसर उपजिल्हा रुग्णालयात नेण्याचा सल्ला दिला. त्यानुसार तिला २५ किलोमीटर अंतर गाठून नेले जात असताना वाटेतच मृत्यू झाला. रुग्णालयात पोहचल्यावर डॉक्टरांनी तपासणी करून ती मृत असल्याचे घोषित केले.

दरम्यान, उपजिल्हा रुग्णालयाने दिलेला मेमो आणि मृत महिलेचा पती दुर्गेश सयाम यांच्या जबाबाच्या आधारे, तुमसर पोलिसांनी अपघाती मृत्यूचा गुन्हा दाखल केला. पोलिस या प्रकरणाचा तपास करत आहेत.

तुमसरातून का सुटी दिली ?

२० तारखेला या महिलेला दाखल केल्यावर दोन दिवस उपचार केल्यानंतर तिला सुटी का देण्यात आली, असा प्रश्न आता उपस्थित होत आहे. नातेवाइकांनी तिला परत नेल्याची चर्चा आहे. त्यामुळे याचाही तपास होण्याची गरज आहे.

गोबरवाहीचे रेल्वे फाटक ठरले काळ

या महिलेला रात्री नाकाडोंगरीवरून तुमसरच्या रुग्णालयात आणत असताना गोबरवाही येथील रेल्वे फाटक बंद होते. बराच वेळ ते बंद राहिले. या दरम्यान महिलेची प्रकृती अधिकच खालावून ती निपचित पडली. याच ठिकाणी तिचा मृत्यू झाल्याची माहिती एका प्रत्यक्षदर्शीने दिली आहे. फाटक सुरू असते तर, कदाचित रुग्णालयात वेळेवर पोहचता आले असते.

या महिलेच्या शवविच्छेदन अहवालानंतर मृत्यूचे कारण समजणार आहे. तुमसरच्या उपजिल्हा रुग्णालयात तिने दोन दिवसांपूर्वी उपचार घेतले होते. मात्र तिला सुटी का देण्यात आली, याचीही चौकशी केली जाईल. कारण पुढे आल्यावर कारवाईची शिफारस केली जाईल.

- मिलिंद सोमकुवर,
जिल्हा आरोग्य अधिकारी, भंडारा

कॉपीमुक्त अभियानाचा पुन्हा फज्जा !

दहावी इंग्रजीच्या पेपरचा काढला फोटो; पाच जणांना अटक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

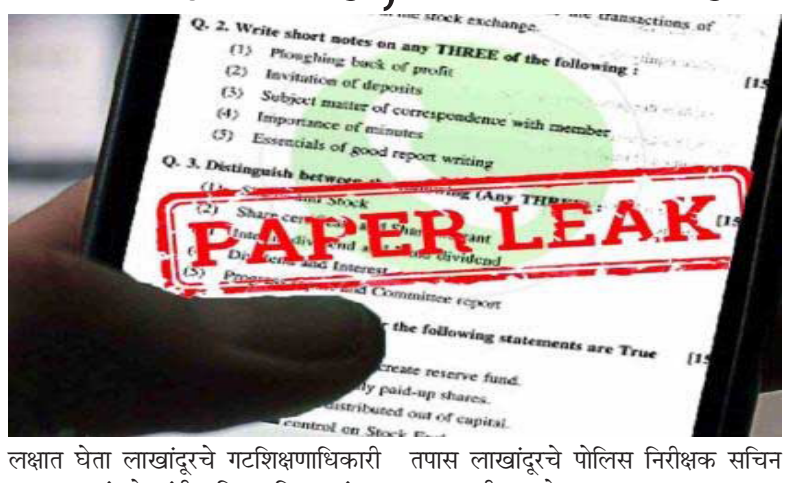

लाखांदूर (भंडारा) : इयत्ता दहावीचा इंग्रजीचा पेपर चक्क परीक्षा केंद्रातून मोबाइलवर फोटो काढून व्हायरल करण्याचा प्रयत्न लाखांदूरजवळच्या बारव्हा येथील एका केंद्रावर घडला. सुदैवाने पेपर व्हायरल झाला नाही. या प्रकरणात लाखांदूरचे गटशिक्षणाधिकारी तत्त्वराज अंबादे यांच्या तक्रारीवरून तिघा जणांविरोधात दिघोरी मोठी पोलिसांत गुन्हा दाखल करण्यात आला होता. तपासादरम्यान आणखी दोघांना अटक केली. याप्रकरणी न्यायालयाने संबंधितांना ४ दिवसांची पोलिस कोठडी सुनावली आहे.

१ मार्च रोजी दहावीचा इंग्रजीचा पेपर सुरू झाल्यानंतर ११:३० वाजता केंद्रातील एक कर्मचारी पेपरचे फोटो काढताना आढळला. ही माहिती बोर्डाच्या अधिकाऱ्यांना मिळाली. त्यानुसार त्या भागातील भरारी पथकाला माहिती देण्यात आली. शिक्षणाधिकाऱ्यांचे भरारी पथक १० मिनिटांत बारव्हा येथील महात्मा ज्योतिबा फुले विद्यालय चिचाळ जैतपूर व जिल्हा परिषद हायस्कूल येथील केंद्रावर पोहोचले.

हा प्रकार खरा असल्याचे पथकाच्या लक्षात आले. झालेल्या प्रकाराची गांभीर्यता लक्षात घेता लाखांदूरचे गटशिक्षणाधिकारी तत्त्वराज अंबादे यांनी वरिष्ठ अधिकाऱ्यांच्या मार्गदर्शनात दिघोरी मोठी पोलिसात गुन्हा दाखल केला.

या पाचही आरोपींना हजर केले असता २ मार्च रोजी लाखांदूर येथील कनिष्ठ न्यायालयाने ५ मार्चपर्यंत ४ दिवसांची पोलिस कोठडी सुनावली.

प्रकरणाचा तपास पोलिस करीत असून याप्रकरणी आणखी आरोपींची वाढ होते काय? याकडे सर्वांचे लक्ष लागले आहे. तपास लाखांदूरचे पोलिस निरीक्षक सचिन पवार करीत आहेत.

अशी आहेत पोलिस कोठडी ठोठावलेल्यांची नावे

विशाल बाबुराव फुले (४१), दीपक दयाराम मेश्राम (३५ रा. मानेगाव), मयूर कृष्णकुमार टेंभरे (३५, रा. विजयनगर गोंदिया), राकेश केशोराव बिसेन (३५, रा. गोंदिया), सुरेंद्रकुमार शरद पटले (४५, रा. कुडवा, गोंदिया) अशी अटक केलेल्या इसमांची नावे आहेत.

शिक्षकांचा आंतरजिल्हा बदलीचा सातवा टप्पा लवकरच होणार सुरू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : २०१७ मध्ये जिल्हा परिषद शिक्षकांच्या ऑनलाइन आंतरजिल्हा व जिल्हाअंतर्गत बदलीने देशातच एक नवीन आदर्श निर्माण केला गेला. या ऑनलाइन बदल्यांमुळे भ्रष्टाचारावरही अकुंश लावण्यात यश आले.

बदली प्रक्रियामुळे शिक्षक समाधानी असल्याचेही दिसून आले. आताही शिक्षक सहकार संघटनेच्या पाठपुराव्यामुळे शिक्षकांचा आंतरजिल्हा बदलीचा ७ वा टप्पा होणार सुरू आहे. दरम्यान, मागील वर्षापासून प्रशासन बदल्या करण्यास दिरंगाई करीत असल्याचे दिसून आले. यासाठी शिक्षक सहकार संघटनेने पाठपुरावा सुरू केला. बदल्यासंदर्भात कोणतीही कार्यवाही होताना दिसत नव्हती.

आचारसंहितेचा फटका

लोकसभा व विधानसभा निवडणूक आचारसंहिता असल्याने ती राबविली गेली नाही. ही प्रलंबित बदली प्रक्रिया शिक्षक भरतीपूर्वी शैक्षणिक वर्ष २०२४-२५ अखेरची सेवाज्येष्ठता लावून तत्काळ ऑनलाईन पद्धतीने राबविण्यात यावी, अशी मागणी शिक्षक सहकार संघटनाकडून करण्यात आली.

जोडले १२ आमदारांचे पत्र

शिक्षकांची आंतरजिल्हा बदली व्हावी यासाठी निवेदनासोबत आ. परिणय फुके, विनोद अग्रवालसह १२ आमदारांचे पत्र जोडण्यात आले होते, अशी अशी माहिती जिल्हाध्यक्ष अरविंद तिरपुडे यांनी दिली.

यावेळी सरचिटणीस फनिलकुमार पटले, सुरेंद्र ठाकरे, समीर शेख, उमेश गोंडाणे, सुधाकर संग्रामे, संदीप गोन्नाडे, वीरेंद्रसेन देशभ्रतार, देव झलके, सुभाष कठाणे, शाहीद खान, किरणकुमार चव्हाण, सचिन मेश्राम, महेश चव्हाण, दिनेश रामटेके, दशरथ वाट, प्रवीण खांडेकर, हेमंतकुमार टेम्भरे, आशिष येळेकर, शैलेश खेताडे, करुणा मेश्राम, श्वेता भुजाडे, अमृता सेलोकर, ज्योती चव्हाण, अंकितकुमार मिश्रा, प्रतीककुमार मांडवकर, राजपाल गजभिये, चित्रांगी बैरागी, पंकज ठाकरे, भिमलेश वारके यांच्यासह शिक्षक सहकार संघटनेचे पदाधिकारी व सदस्य सोबत होते.

गाडीची जुनी नंबरप्लेट बदलली नसेल तर तुम्हाला द्यावा लागू शकतो दंड

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : १ एप्रिल २०१९ पूर्वीच्या वाहनांना 'उच्च सुरक्षा क्रमांक पाटी' (हाय सिक्युरिटी नंबरप्लेट, एचएसआरपी) बसवून घेणे बंधनकारक आहे. मात्र, अनेक वाहनचालक हाय सिक्युरिटी नंबरप्लेट लावण्याकडे दुर्लक्ष करत असल्याचे दिसून येते. दि. ३० एप्रिलपूर्वी हाय सिक्युरिटी नंबरप्लेट न लावल्यास वाहनचालकांवर दंड आकारण्यात येईल, असा इशारा भंडाराचे उपप्रादेशिक परिवहन अधिकारी राजेंद्रकुमार वर्मा यांनी दिला आहे.

वाहनांची ओळख पटवणे, क्रमांकाच्या पाट्यांमध्ये होणारी छेडछाड थांबविण्यासाठी; तसेच वाहने वापरून होणारे गुन्हे रोखण्यासाठी केंद्रीय रस्ते वाहतूक आणि महामार्ग मंत्रालयाने वाहनांना 'उच्च सुरक्षा क्रमांक पाटी' बंधनकारक करून राज्यांना अंमलबजावणी करण्याचे आदेश देण्यात आले आहेत. त्यानुसार ३० एप्रिलपूर्वी ही नंबरप्लेट न लावल्यास दंड ठोठावला जाणार असल्याचे आदेशात स्पष्ट नमूद करण्यात आले आहे. परिणामी दिलेल्या अवधीत जुन्या वाहनांची नंबर प्लेट बदलवून घेणे आवश्यक आहे. १९९९ पूवीर्ची लाखो वाहनांवर नवीन नंबरप्लेट बसवावे लागणार आहे.

काय आहे एचएसआरपी ?

ही नंबरप्लेटस ॲल्युमिनियम पासून तयार करण्यात येतात. ही प्लेट होलोग्राम स्टिकरसह येते. वाहनाचे इंजिन व चेसिसचा नंबर लिहिला जातो. नंबर युनिक असून प्रेशर मशीनीने लिहिला जातो

शुल्क लागते किती?

एचएसआरपी नंबरप्लेटसाठी अर्ज करताना दुचाकीसाठी ५३१, तर चारचाकीसाठी वेगळे शुल्क असते.

कोणत्या वाहनांना एचएसआरपी बंधनकारक

२०१९ पूर्वीच्या सर्व दुचाकी व चारचाकी वाहनांना नंबरप्लेट बंधनकारक आहे.

३१ एप्रिलपूर्वी नंबरप्लेट बसवली नाही तर दंड ठोठावला जाणार आहे. नंबरप्लेटमध्ये छेडछाड करून होणारे गुन्हे कमी करणे, रस्त्यावर धावणाऱ्या वाहनांची ओळख पटवणे, वाहन चोरीचा धोका कमी होणे, यासाठी नंबरप्लेट बसवणे गरजेचे आहे.

ऑनलाईन अर्जात अडचण

एचएसआरपी नंबरप्लेटसाठी ऑनलाईन अर्ज करायचा आहे. मात्र, हा अर्ज करताना वाहनमालकांना अडचणींचा सामना करावा लागत आहे. साईट व्यवस्थित करणे गरजेचे आहे.

कागदपत्रे काय लागतात ?

एचएसआरपी नंबरसाठी ऑनलाइन अर्ज करताना वाहनाचे सर्व डिटेल्स लागतात. त्यामुळे वाहनाचे आरसीबुक असणे गरजेचे आहे

या तारखेपर्यंत आहे मुदत

एचएसआरपी नंबरप्लेटसाठी पूर्वी ३१ मार्चपर्यंत मुदत देण्यात आली होती. मात्र, आता त्यामध्ये वाढ करण्यात आली असून, ३० एप्रिलपर्यंत मुदत देण्यात आली आहे.

२०१९ पूर्वीच्या वाहनाला ३० एप्रिलपूर्वी आधुनिक क्रमांकाची पाटी लावून घ्यावी. अन्यथा कारवाई करण्यात येणार आहे.

- राजेंद्रकुमार वर्मा,
आरटीओ, भंडारा.

मोहाडी तालुक्यात गौणखनिज तस्करांना रान मोकळे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : तालुक्यातील वैनगंगा नदीच्या तीरावर वसलेल्या करडी लगत गावांमधून मोठ्या प्रमाणात रेती, मुरूम यासारख्या खनिजाची मोठ्या प्रमाणात चोरी होत आहे. परिसरातील मंडळ अधिकारी व तलाठी मुख्यालयी राहण्याकडे पाठ केली आहे. यामुळे गौणखनिज तस्करांना सुगीचे दिवस आले आहेत. त्यामुळे सदर कर्मचाऱ्यांचे घरभाडे बंद करण्यात यावे, अशी मागणी जिल्हाधिकारी यांना दिलेल्या निवेदनात केली आहे.

मोहाडी तालुका वैनगंगा नदीमुळे दोन भागात विभागला गेला आहे. नदीच्या पूर्व दिशेस करडी परिसर येतो. करडी परिसरातील सर्वच गावातील तलाठी व करडी व पालोरा येथील मंडळ अधिकारी मुख्यालयी न राहता घर भाड्याची उचल करतात. मिळालेल्या माहितीनुसार नदी काठावरील ढिवरवाडा कान्हळगाव मुंढरी (बुज व खुर्द) निलज (बुज व खुर्द) देव्हाळा (बुज व खुर्द) या गावाजवळून वाहणाऱ्या वैनगंगा नदी पात्रातून व या गावच्या घाटांवरून रात्री मोठ्या प्रमाणात रेतीची चोरी होते. त्याचप्रमाणे प्रत्येक गावात मुरूम माती यासारखे मोठ्या प्रमाणात उत्खनन होते. उत्खनन करण्यासाठी किंवा वाहतूक करण्यासाठी कोणत्याही पद्धतीची परवानगीन घेता मंडळ अधिकारी तलाठी यांचे हात पिवळे करून दिवसा व रात्री उत्खनन केले जाते.

मंडळ अधिकारी करडी आर. टी. देशमुख, हे लाखनी येथून ये-जा करतात. मंडळ अधिकारी पालोरा एस. एन. हलमारे, हे भंडारा येथून ये-जा करतात. तलाठी के. आर. अमृते हे तुमसर येथून ये-जा करतात. तलाठी देव्हाळा एच. एस. साखरे, भंडारा येथून ये-जा करतात. तलाठी मोहगाव (क) के. एस. खिल्लारे, हे मोहाडी येथून ये-जा करतात. तलाठी निलज (बुज) के. एच. शिरसकर, हे मोहाडी येथून ये जा करतात. तलाठी मुंढरी व्ही. ए. कांबळे, आर. ठवकर, हे भंडारा येथून ये-जा करतात.

अंतरराष्ट्रीय फोरम में भंडारा आधार शहर आजीविका केंद्र की भागीदारी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राजस्थान में आयोजित एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3फफोरम झ ररिड्यूस, रीयूज, रीसायकलर्र प्रदर्शनी में भंडारा आधार शहर आजीविका केंद्र को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। यह आयोजन 3 से 5 मार्च 2025 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में आयोजित किया जा रहा है।

पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा

केंद्र सरकार के गृह निर्माण और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा पर्यावरण अनुकूल उत्पादों और तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए इस फोरम का आयोजन किया जाता है। इस मंच में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि, सरकारी अधिकारी, उद्योगपति, स्टार्टअप्स और पर्यावरण विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। देशभर के 15 राज्यों से चुने गए सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों की प्रदर्शनी का अवसर दिया गया है।

भंडारा आधार शहर आजीविका केंद्र के उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

भंडारा शहर के आधार शहर आजीविका केंद्र के माध्यम से बनाई जा रही पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इन उत्पादों में शामिल हैं. कचरे से पुनर्नवीनीकरण किए गए कागज से बनी आकर्षक कलाकृतियाँ पेपर डॉल, पेपर प्लेट, मिरर फ्रेम ये स्वयं सहायता समूह आधार शहर आजीविका केंद्र के माध्यम से इन उत्पादों का निर्माण और बिक्री कर रहे हैं। इसमें भंडारा नगर परिषद संचालित केंद्र भी शामिल है।

भंडारा नगर परिषद के प्रतिनिधियों की भागीदारी

इस राष्ट्रीय फोरम में नगर परिषद के अभियान प्रबंधक प्रवीण पडोले, सहायक गुरुदास शेंडे, तथा प्रतिनिधि सीमा साखरकर, शारदा गिरेपुंजे और रंजना साखरकर अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाई गई हस्तनिर्मित कलात्मक वस्तुएँ महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशाएँगी।

स्थानीय स्तर पर खुशी और सराहना

इस उपलब्धि के लिए भंडारा नगर परिषद प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने आधार शहर आजीविका केंद्र की सराहना की है। राष्ट्रीय स्तर की इस मान्यता से स्थानीय स्वयं सहायता समूहों को व्यावसायिक अवसर मिलेंगे, और उनके उत्पाद तथा कौशल पूरे देश में पहुँचेंगे, ऐसा विश्वास नगर परिषद के मुख्य अधिकारी करणकुमार चव्हाण ने व्यक्त किया है।

पूर्व विधायक सहषराम कोरोटे के जन्मदिन पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शिवसेना शिंदे गुट में किया प्रवेश

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शिवसेना शिंदे गुट के नेता और पूर्व विधायक सहषराम कोरोटे के जन्मदिन के अवसर पर आज आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश किया।

आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस के पूर्व विधायक सहषराम कोरोटे ने 21 फरवरी को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में शिवसेना शिंदे गुट में प्रवेश किया था। उनके नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए, कार्यकताओं ने उनके जन्मदिन के अवसर पर शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने का निर्णय लिया।

इस पार्टी प्रवेश समारोह में आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना शिंदे गुट के विस्तार के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं को तालुका प्रमुख, शहर प्रमुख और युवा प्रमुख के रूप में नियुक्ति पत्र सौंपे गए। आगामी चुनावों में आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना शिंदे गुट का विधायक निर्वाचित होगा, ऐसा विश्वास जिला अध्यक्ष सुरेश नायडू ने व्यक्त किया।

ग्राम संवाद: भंडारा पुलिस दल की अनोखी पहल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले के पुलिस विभाग द्वारा ग्राम संवाद नामक एक अभिनव पहल मांडवी गांव में 3 मार्च 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। पुलिस अधीक्षक श्री. नूरुल हसन और अपर पुलिस अधीक्षक श्री. ईश्वर कातकडे के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आई.एस.ओ. (क्रड) के तहत आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख अधिकारी इस पहल में उपविभागीय पुलिस अधिकारी श्री. पांडुरंग गोफने, सिहोरा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी श्री. विजय कसोधन और आई.एस.ओ. निरीक्षक प्रशांत जोशी उपस्थित थे।

ग्राम संवाद पहल के उद्देश्य पुलिस प्रशासन और आम नागरिकों के बीच की दूरी कम करना। नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत बनाना। नागरिकों की रोजमर्रा की समस्याओं को समझना और समाधान निकालना। पुलिस की भूमिका को लोगों तक बेहतर तरीके से पहुँचाना।

महाराष्ट्र में पहली बार इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे स्थानीय नागरिकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। विद्यार्थियों ने लेजीम नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया।

आशा वर्कर्स, आंगनवाड़ी सेविकाओं और मांडवी गांव के मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। निरीक्षक प्रशांत जोशी ने ग्रामीणों और विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। गोफने ने समाज संबंधी विषयों पर मार्गदर्शन दिया। अंत में, प्रभारी अधिकारी श्री. विजय कसोधन ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, विद्यार्थियों, पुलिस पाटील, ग्राम पंचायत सरपंच, उपसरपंच, सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। ग्राम संवाद पहल से नागरिकों और पुलिस प्रशासन के बीच संवाद बढ़ा है, जिससे समाज में विश्वास और सहयोग की भावना मजबूत हुई है। भंडारा पुलिस दल की इस अनोखी पहल को स्थानीय नागरिकों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और इसे बेहद सराहा जा रहा है।

रमजान को लेकर बाजार गुलजार, खजूर और सेवइयों की बढ़ी मांग

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : 1 से 2 मार्च से शुरू होने वाले रमजान के पाक महीने को देखते हुए बाजार गुलजार हो गये हैं. सेवइयां, टोपी, खजूर के साथ ही जरूरी सामानों की खरीदारी के लिए लोगों ने बाजारों का रुख कर लिया है. बाजार में शाम का नजारा देखते ही बन रहा है. बच्चे और महिलाओं के साथ सभी में रमजान माह को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है. रमजान के साथ ही ग्राहकों की बाट जोह रहे दुकानदारों की आंखों में भी चमक आ गई. इस खास माह में ग्राहकों को लुभाने के लिए दुकानों पर सामान सजाए गए हैं. 100 रुपये प्रति किलो से खजूर शुरू है, वहीं सेवइयां और फेनी की भी पूछ-परख बढ़ गई है. बाजार में 12 से 13 किस्म के खजूर उपलब्ध हैं. इसमें सबसे महंगी मदीना की खजूर है जो दो से ढाई हजार रुपये किलो के हिसाब से बिकती है. इसके साथ ही बाजार में कई किस्म की फेनी और रंग-बिरंगी सेवइयां भी उपलब्ध हैं. सेवई, फेनी, मेवे, कपड़े व ईद से जुड़ी अन्य वस्तुओं से सजी दुकानों की जगमगाहट बढ़ गई है. मुस्लिम समाज के लिए यह माह बहुत ही पवित्र होता है. इन दिनों महंगाई बढ़ने के कारण हर वस्तु के दाम ऊंचे बने हुए हैं. फेनी और सेवई के दाम में वृद्धि हुई है. व्यापारियों के अनुसार फेनी नागपुर में ही बनती है और यहीं से पूरे विदर्भ में जाती है. वहीं सेवई यहां बनने के साथ इलाहाबाद से भी आती है. पहले अहमदाबाद और भोपाल से भी आती थी. सादी वाली घी में बनी फेनी 90 से 100 रुपये और डबल फ्राई 150 रुपये प्रतिकिलो से ऊपर बिकती है. वहीं ईद के दिन इन्हीं के दाम और अधिक बढ़ जाते हैं. यहां पर 50 गाड़ियों से अधिक सेवइयां लगती हैं.

नये कपड़ों का खास महत्व

रेडीमेड कपड़ों के साथ-साथ कुर्ता-पायजामा के पीसेस की भी अच्छी बिक्री होती है. 20 रोजे तक कपड़ों की अच्छी खरीददारी हो जाती है. ईद में सबसे अधिक सफेद वस्त्र चलते हैं. रिश्तेदारों को ईदी के रूप में कपड़े की जोड़ी दिए जाती है. वहीं इन दिनों टोपी का सबसे अधिक महत्व होता है. नमाज पढ़ने के लिए बच्चे-बड़े सभी अपनी मनपसंद सफेद रंगीन टोपियां इस समय जरूर खरीदते हैं जो 60 रुपये से शुरू होकर 250 से 300 रुपये तक में उपलब्ध हैं.

खजूर से खोला जाता है रोजा

रमजान में रोजा खोलने के लिए खजूर का उपयोग किया जाता है. कई तरह के मेवे के साथ मार्केट में करीब 12 से 13 से अधिक प्रकार की खजूर उपलब्ध हैं. इनमें किपरिया, किमिया, अजुवा, फरद, जबीर, अलनूर अमीर सहित अन्य तरह की खजूर है. इसमें सबसे महंगी अजुवा खजूर है जो कि काफी महंगी है. वहीं किपरिया, किमिया व अमीन 240 रुपये प्रतिकिलो, फरद व अलनूर 400 से 500 रुपये प्रतिकिलो और सबसे सस्ती गोल्डन खजूर 80 से 90 रुपये प्रतिकिलो से शुरू है. व्यापारियों के अनुसार 25वें रोजे के बाद से ईद की तैयारी शुरू हो जाती है.

फुलचूर ग्राम पंचायत को मिला नगर पंचायत का दर्जा, विकास का रास्ता हुआ साफ !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तालुका मुख्यालय वाली फुलचूर ग्राम पंचायत अब जल्द ही नगर पंचायत बनने जा रही है। इस संबंध में फुलचूर ग्राम पंचायत को आधिकारिक परिपत्र भी प्राप्त हो गया है। पिछले कई वर्षों से फुलचूर के नगर पंचायत बनने के लिए संघर्ष समिति के माध्यम से प्रयास किए जा रहे थे, जो अब सफल हो गए हैं।

2002 में जारी किए गए सरकारी परिपत्र के अनुसार, तालुका मुख्यालय में स्थित ग्राम पंचायतों के विकास के लिए उन्हें नगर पंचायत का दर्जा देने का निर्णय लिया गया था। इसी के तहत जिलाधिकारी को फुलचूर को नगर पंचायत का दर्जा देने के निर्देश मिले थे। हालांकि, गोंदिया शहर से सटे फुलचूर ग्राम पंचायत की सीमा में जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला परिषद जैसी महत्वपूर्ण सरकारी संस्थाएं होने के बावजूद अधिकारियों की अनदेखी के कारण फुलचूर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा नहीं मिल पाया था।

इसलिए, फुलचूर और फुलचूर टोला के लोगों ने गांव के विकास के लिए संघर्ष समिति का गठन कर सरकार से लगातार अनुरोध किया। लंबी प्रतीक्षा के बाद आखिरकार फुलचूर ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त हो गया है। इस बारे में संघर्ष समिति और फुलचूर ग्राम पंचायत के सरपंच ने जानकारी दी है।

पूरे महाराष्ट्र में तालुका मुख्यालय वाली ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत का दर्जा मिल चुका था, लेकिन गोंदिया शहर से सटी फुलचूर ही एकमात्र ग्राम पंचायत थी, जिसे यह दर्जा नहीं मिला था। अब नगर पंचायत का रास्ता साफ हो गया है, और 31 मार्च से पहले यदि किसी को आपत्ति हो तो वे जिलाधिकारी को सूचित कर सकते हैं।

इसलिए, यदि फुलचूर ग्राम पंचायत नगर पंचायत बन जाती है, तो फुलचूर टोला और फुलचूर ग्राम पंचायत का विकास निश्चित रूप से होगा।

रबी पिकों के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसानों का आंदोलन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

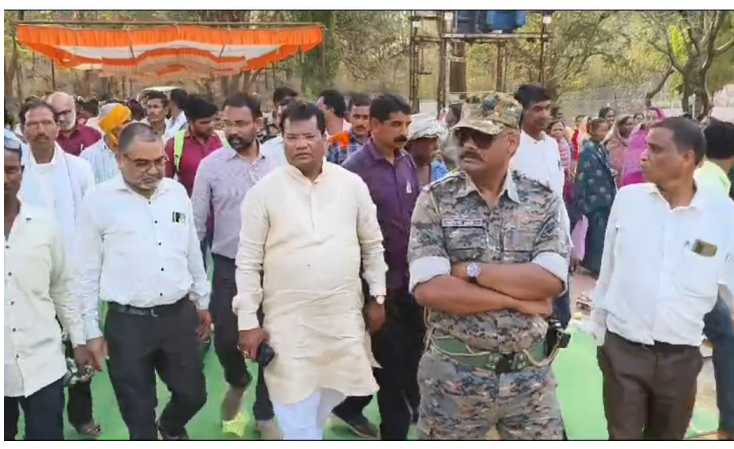

गोंदिया : जिले के देवरी तहसील के किसानों ने रबी फसल की बुवाई कर दी है, लेकिन 15 दिन बीत जाने के बावजूद धान फसल के लिए पानी उपलब्ध नहीं हुआ। इसी के चलते देवरी तहसील के किसानों ने शिवसेना (शिंदे गुट) के पूर्व विधायक सहषराम कोरोटे के नेतृत्व में मनोहर सागर जलाशय पर आंदोलन शुरू कर दिया है।

देवरी तहसील के शिरपुर गांव के आसपास के किसानों ने खरीफ सीजन में धान की फसल लगाई थी, लेकिन अनियमित बारिश और बाढ़ के कारण फसल को भारी नुकसान हुआ। दूसरी ओर, किसानों को अब तक नुकसान का मुआवजा भी नहीं मिला है। रबी सीजन में किसानों ने फिर से धान की खेती की, लेकिन सिंचाई विभाग ने केवल एक बार पानी छोड़ा। फसल की बुवाई के बाद जब दोबारा पानी की जरूरत थी, तो सिंचाई विभाग ने पानी छोड़ने से इनकार कर दिया। नतीजतन, नालों और कुओं का पानी भी सूख गया है, जिससे फसल बचाना मुश्किल हो रहा है। साथ ही, पशुओं को भी पानी नहीं मिल पा रहा है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए नाराज किसानों ने शिरपुर गांव के पास स्थित मनोहर सागर जलाशय पर आंदोलन शुरू कर दिया है। किसानों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सिंचाई विभाग इस पर क्या निर्णय लेता है।

अच्छी पैकेजिंग व ब्रांडिंग की जरूरत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमियों और उनकी ओर से उत्पादित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए दशहरा मैदान पर जिला स्तरीय प्रदर्शनी मिनी सरस का उद्घाटन किया गया. जिलास्तरीय प्रदर्शनी में उमेद की महिला स्वयं सहायता समूहों की उल्लेखनीय उपस्थिति थी. जिला कलेक्टर डॉ. संजय कोलते ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि उमेद स्वयं सहायता समूह आंदोलन जिले में व्यापक रूप से सक्रिय है तथा इसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में भी किया था. महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अच्छी पैकेजिंग एवं ब्रांडिंग की जरूरत है.

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष कविता उइके, जिला परिषद सदस्य स्वाति वाघाये, मनीषा निंबार्ते, समाज कल्याण सभापति शीतल राऊत, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के संचालक विवेक बोंद्रे सहित उनके अधीनस्थ सभी अधिकारी मंच पर उपस्थित थे. 3 मार्च को उद्घाटित की गई इस प्रदर्शनी में 7 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं. इसमें स्वयं सहायता समूहों की बड़ी उपस्थिति है. इसमेंघरेलू सामान, जूते, आभूषण, सजावटी सामान, खाद्य पदार्थ, मसाले, साथ ही हस्तशिल्प की कई वस्तुएं शामिल हैं. पहले दिन दोपहर में महिलाओं के लिए एक फैशन शो भी आयोजित किया गया. दूसरे और तीसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं.

जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के निदेशक विवेक बोन्द्रे ने जिले के सभी नागरिकों से इस प्रदर्शनी का अवलोकन करने तथा स्वयं सहायता समूहों की बिक्री में योगदान देने की अपील की है. यह विशेष महोत्सव 3 मार्च से 7 मार्च तक दशहरा मैदान, शास्त्री चौक, वरठी रोड, भंडारा में आयोजित किया जाएगा. यहां स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से बनाए गए गुणवत्तापूर्ण एवं विविध उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्री की जा रही है.

ॲड. संतोषसिंग चौहाण की नोटरी के रूप में नियुक्ति

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भारत सरकार के विधि एवं न्याय विभाग द्वारा भंडारा जिले के बैरागी वाडा निवासी ॲड. संतोषसिंग सुखदेवसिंग चौहाण को नोटरी के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति केंद्र सरकार की स्वीकृति से हुई है, जिससे जिले के नागरिकों को कानूनी कार्यों में बड़ी सुविधा मिलेगी।

ॲड. संतोषसिंग चौहाण पिछले 15 वर्षों से वकालत के क्षेत्र में सक्रिय हैं। अपने करियर में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों को संभाला है और विशेष रूप से शेतकरी (किसान), गरीब और वंचित वर्ग के लोगों के न्यायिक अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। वे न केवल सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं, बल्कि राजनीतिक क्षेत्र में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। उनकी वकालत हमेशा न्याय और समानता के पक्ष में रही है, जिससे आम नागरिकों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

उनकी नोटरी के रूप में नियुक्ति से भंडारा जिले के छात्र, युवा, किसान, व्यापारी एवं आम नागरिकों को कानूनी दस्तावेजों के प्रमाणीकरण में सुविधा होगी। अब लोगों को प्रमाणित दस्तावेजों के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस नियुक्ति से पूरे जिले में हर्ष का वातावरण है, और उन्हें सभी स्तरों से बधाई एवं शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

हम आशा करते हैं कि वे अपने सामाजिक और न्यायिक दायित्वों को इसी तरह निभाते रहेंगे और समाज की सेवा करते रहेंगे। उनकी भविष्य की यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655
Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !